दक्षिण मध्य रेलवे

संरक्षा.**387**/फ्लाई लीफ/**12/2024**

फ्लाई लीफ सं. **12 / 2024**

ध्यान दें**......**   सर्व संबंधित **.....**

स्टेशन/यार्ड या ब्लॉक सेक्शन में वाहनों/भार/गाड़ियों/लोको को सुरक्षित करने और रिलीज करने के लिए जेपीओ.

(बोर्ड के दिनांक 24.01.2025 का पत्र संख्या 2024/टीटी-IV/12/30)

***

1. जब वाहन/भार/गाड़ी को स्टेशन पर खड़ा करना हो तो स्टेशन मास्टर/गाडी प्रबंधक/सहायक लोको पायलट/यातायात कर्मचारी द्वारा की जाने वाली कार्रवाई :-

   ए) वाहन/भार/गाड़ी को फाउलिंग मार्क के अंदर ही खड़ा किया जाना चाहिए. गाड़ी प्रबंधक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि फाउलिंग मार्क को पार करने के बाद ही गाड़ी को रोका जाए.

   बी) वाहन/भार/गाड़ी को दोनों सिरों पर कम से कम दो जंजीरों से बांधा जाना चाहिए और ताला लगाया जाना चाहिए;

   सी) कम से कम चार स्प्रैग्स / लकड़ी के वेज / स्किड्स का उपयोग किया जाना चाहिए**,** दोनों छोर पर पहियों की सबसे बाहरी जोड़ी के नीचे दो-दो.

   डी) गाड़ी के दोनों छोर से कम से कम 6 मालडिब्बों के हैंड ब्रेक तथा कोचिंग गाड़ी के मामले में, दोनों छोर के एसएलआर के हैंड ब्रेक को सहायक लोको पायलट/गाडी प्रबंधक/पॉइंट्समैन द्वारा क्षेत्रीय रेलों पर जारी मौजूदा अनुदेशों के अनुसार पूरी तरह से कसा जाना चाहिए. गाडी प्रबंधक की अनुपस्थिति में, हैंड ब्रेक पॉइंट्समैन द्वारा लगाए जाएंगे.

   ई) स्थिर भार/गाड़ी के वाहनों को एक साथ जोड़ा जाना चाहिए. यदि किसी कारण से स्थिर भार को अलग करना पड़ता है, तो प्रत्येक अलग किए गए भाग को सुरक्षित करने के उद्देश्य से एक अलग भार के रूप में माना जाना चाहिए.

   एफ) पाइंटों को अवरुद्ध लाइन के विरुद्ध तथा डेड एंड या ट्रैप पॉइंट (यदि उपलब्ध हो) की ओर सेट, क्लैम्प और पैडलॉक किया जाना चाहिए. यदि उपलब्ध हो तो स्कॉच ब्लॉक का उपयोग अवश्य किया जाना चाहिए. यदि कोई स्टेशन एसएसआई/ईआई से सुसज्जित है, तो पॉइंट, रूट और सिगनल को कंट्रोल पैनल/वीडीयू के माध्यम से ब्लॉक किया जाना चाहिए. ऐसे मामले में पॉइंट को क्लैम्प और पैडलॉक करना आवश्यक नहीं है.

   जी) स्टॉप कॉलर को संबंधित पॉइंट बटन/स्लाइड/लीवर आदि पर रखा जाना चाहिए.

   एच) टीएसआर और/या एसएम डायरी में लाल स्याही से यह टिप्पणी की जानी चाहिए कि 'लाइन संख्या ____ अवरुद्ध है और भार को सुरक्षित रखने के लिए सभी सावधानियां बरती गई हैं, जैसा कि ऊपर बताया गया है;

   आई) किसी भी भार/गाड़ी/लोको को स्थिर करने के बाद, स्टेशन मास्टर को प्राइवेट नंबर द्वारा सेक्शन नियंत्रक को सूचित करना होगा कि भार/गाड़ी/लोको को स्थिर करने और सुरक्षित करने के लिए सभी निर्धारित सावधानियां बरती गई हैं.

2. 400 में 1 या उससे अधिक ढलान वाले स्टेशन पर वाहन/भार/गाड़ी को खड़ा करते समय बरती जाने वाली अतिरिक्त सावधानियाँ अनुमोदित विशेष अनुदेशों (सीआरएस द्वारा) के अंतर्गत निर्धारित की गई हैं और संबंधित स्टेशन के स्टेशन संचालन नियम में उल्लेखित हैं. इनका ईमानदारी से पालन किया जाना चाहिए. इसके अलावा, अनुमोदित विशेष अनुदेशों के अंतर्गत निर्धारित सावधानियों के अलावा निम्नलिखित सावधानियाँ भी बरतनी चाहिए :-

   ए) वाहनों को नीचे लुढ़कने से रोकने के लिए, वाहनों को अलग करने से पहले, हैंड ब्रेक लगा देना चाहिए तथा स्प्रैग्स/लकड़ी के वेज/स्किड्स का भी प्रयोग किया जाना चाहिए.

   बी) जहां तक संभव हो, वाहनों/भार/गाड़ी को ऐसी लाइन पर खड़ा किया जाना चाहिए जो अन्य लाइनों, विशेषकर रनिंग लाइनों से अलग हो.

3. यदि भार/गाड़ी को लोकोमोटिव के साथ खडा करना हो या केवल इंजन/नों को खड़ा करना हो, तो लोको को छोड़ने से पहले लोको पायलट/सहायक लोको पायलट द्वारा की जाने वाली कार्रवाई :-

ए) ए-9 पर गाड़ी को रोकें और ए-9 को आपातकालीन स्थिति (अर्थात्, बीपी दाब = 0) और एसए-9 को अप्लाइड स्थिति में लाएं. भौतिक रूप से सुनिश्चित करें कि गाड़ी के ब्रेक लगाए गए हैं.

बी) लोकोमोटिव पर हैंड ब्रेक/पार्किंग ब्रेक लगाएँ. मल्टी/कंसिस्ट लोकोमोटिव के मामले में, सभी लोकोमोटिव के हैंड ब्रेक लगाए जाएं. भौतिक रूप से जांच करें कि हैंड ब्रेक की चेन कसी गई है/पार्किंग ब्रेक लगाए गए हैं.

सी) लोकोमोटिव के सबसे बाहरी पहिये पर 4 लकड़ी के ब्लॉक रखें. इस कार्रवाई को लोको लॉगबुक में दर्ज करें, पहियों की संख्या स्पष्ट रूप से नोट करें. यदि लोकोमोटिव पर चार से कम लकड़ी के वेज उपलब्ध हैं, तो आवश्यक वेज के लिए स्टेशन मास्टर को सूचित करें और फिर लोको को सुरक्षित करें.

डी) लोकोमोटिव को बंद करें, बैटरी स्विच को टर्न ऑफ करें और लोको की चाबियाँ तथा लोकोमोटिव लॉग बुक को स्टेशन मास्टर कार्यालय में जमा करें.

4. ए) ड्यूटी के दौरान लोको पायलट लोको को मानवरहित नहीं छोडेंगे. यदि उसे लोकोमोटिव को मानवरहित छोड़ना आवश्यक है, तो वह स्टेशन मास्टर/यार्ड मास्टर से लिखित अनुमति प्राप्त करने तथा पैरा 3 में उल्लिखित कार्यवाही सुनिश्चित करने के पश्चात ही ऐसा करेंगे.

बी) स्टेशन/यार्ड छोड़ने से पहले, लोको पायलट और गाड़ी प्रबंधक को स्टेशन मास्टर के पास उपलब्ध रजिस्टर में संयुक्त रूप से यह दर्ज करना चाहिए कि भार और लोको को उपर्युक्त बताए अनुसार सुरक्षित किया गया है.

5. दुर्घटना, खराबी, अवरोध या किसी अन्य कारण से ब्लॉक सेक्शन में गाड़ी के रुक जाने पर लोको पायलट/सहायक लोको पायलट और गाड़ी प्रबंधक द्वारा की जाने वाली कार्रवाई:-

ए) लोको पायलट/सहायक लोको पायलट और गाड़ी प्रबंधक को साधारण व सहायक नियम 6.03 के प्रावधानों के अनुसार गाड़ी की सुरक्षा करनी चाहिए;

बी) गाड़ी को लोको ब्रेक (एसए-9, ए-9 और हैंड ब्रेक) लगाकर तथा गाड़ी के दोनों छोर पर कम से कम छह मालडिब्बों के हैंड ब्रेक लगाकर सुरक्षित किया जाना चाहिए. हैंड ब्रेक को आगे की तरफ से सहायक लोको पायलट और पीछे की तरफ से गाड़ी प्रबंधक द्वारा संचालित किया जाना चाहिए. यदि गाड़ी को बिना गाड़ी प्रबंधक के चलाया जा रहा है, तो गाड़ी प्रबंधक का काम सहायक लोको पायलट को सौंपा जाए. कोचिंग गाड़ियों के मामले में, गाड़ी प्रबंधक को सहायक लोको पायलट द्वारा पीछे के एसएलआर और सामने के एसएलआर के हैंड ब्रेक लगाने चाहिए, यदि लॉक न किए गए हों.

सी) यदि गाड़ी के स्थिर रहने पर एमआर दबाव कम होने लगे, तो लोको पायलट को वेज की सहायता से लोको को सुरक्षित करना होता है. चूंकि एमआर दबाव को गाड़ी प्रबंधक द्वारा नहीं देखा जा सकता है क्योंकि एसएलआर में इंजन के समान ऐसा कोई गेज नहीं होता है, इसलिए लोको पायलट तुरंत गाड़ी प्रबंधक को एमआर दबाव के गिरने के बारे में सूचित करेगा और उसके बाद गाड़ी प्रबंधक अंतिम वाहन में वेज के साथ गाड़ी को सुरक्षित करेगा.

6. स्टेशन मास्टर / गाड़ी प्रबंधक / लोको पायलट / सहायक लोको पायलट / यातायात कर्मचारी द्वारा स्टेशन / यार्ड से स्थिर वाहन / भार / गाड़ी / इंजनों को हटाने के लिए की जाने वाली कार्रवाई:

ए) लोको पायलट और सहायक लोको पायलट को स्टेशन प्रबंधक के कार्यालय से लोको की चाबियाँ, लॉग बुक आदि ले लेनी चाहिए. किसी भी अनियमितता के लिए लोको लॉग बुक में देखें. यदि कोई अनियमितता पाई जाती है, तो टीएलसी को सूचित करें और उनकी सलाह के अनुसार कार्य करें.

बी) इसके बाद लोको पायलट और सहायक लोको पायलट लोको को सक्रिय करेगें, ए-9 को रिलीज स्थिति में लाएंगे और एसए-9 को लागू रखते हुए बीपी दबाव को 5 किग्रा/सेमी^{2} तक बढ़ाएंगे.

सी) लोड/संरचना में बीपी दबाव निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बीपी निरंतरता परीक्षण करेंगे.

डी) गाड़ी को ब्रेक लगाएं, अर्थात् ए-9 को फुल-सर्विस एप्लीकेशन की स्थिति में रखें तथा कुछ मालडिब्बों की जांच करके पुष्टि करें कि ब्रेक लगाए गए हैं (हैंड ब्रेक लगाए गए मालडिब्बों को छोड़कर).

ई) यदि आवश्यक हो तो सहायक लोको पायलट लोको(ओं) में हैंड ब्रेक/पार्किंग ब्रेक को लोको पायलट की सहायता से हटा देगा. फिर लोको के पहियों से लकड़ी के वेज को हटा देगा, यदि कोई हो, तो स्टेशन से लिए गए वेज को वापस कर देंगा.

एफ) एक बार गाड़ी के ब्रेक लगा दिए जाने के बाद, भार की सुरक्षा व्यवस्था को निम्नलिखित क्रम के अनुसार हटाया जाएगा - चेन को हटाया जाएगा, उसके बाद लकड़ी के वेज/धातु के स्किड्स को हटाया जाएगा और फिर हैंड ब्रेक को हटाया जाएगा. सुरक्षा चेन, लकड़ी के वेज/स्किड को पॉइंट्समैन द्वारा हटाया जाएगा तथा एसएलआर/ब्रेक वैन/मालडिब्बे के हैंड ब्रेक को सहायक लोको पायलट/गाड़ी प्रबंधक/पॉइंट्समैन द्वारा क्षेत्रीय रेलवे पर जारी वर्तमान अनुदेशों के अनुसार हटाया जाएगा.गाड़ी प्रबंधक की अनुपस्थिति में हैंड ब्रेक को पॉइंट्समैन द्वारा हटाया जाएगा.

जी) हैंड ब्रेक को रिलीज करने में कठिनाई होने पर, गाड़ी प्रबंधक, लोको पायलट को हैंड ब्रेक रिलीज करने तक गाड़ी ब्रेक (ए-9) को आंशिक रूप से रिलीज करने की सलाह देगा.

एच) यदि टीएमएलपी रिपोर्ट (गाड़ी प्रबंधक और लोको पायलट) बनाना आवश्यक हो, तो नियमों के अनुसार भार का निरीक्षण करें. किसी भी अनियमितता की स्थिति में एस.एम. को रिपोर्ट करें. टीएमएलपी रिपोर्ट तैयार करते समय, लोको कैब में लोको पायलट या सहायक लोको पायलट उपस्थित होने चाहिए.

आई) उपर्युक्त चरणों के बाद यदि सब कुछ ठीक रहा तो गाड़ी प्रबंधक, लोको पायलट से परामर्श करने के बाद स्टेशन मास्टर को सूचित करेगा कि गाड़ी तैयार है.

जे) जब गाड़ी के लिए सिगनल बंद हो जाएं, तो ए-9 और फिर एसए-9 को रिलीज करें. ढलान पर, ए9 को रिलीज करें और कर्षण लें तथा जैसे ही यह आगे की ओर लुढ़के, नीचे लुढ़कने से बचाने के लिए एसए-9 को रिलीज करें.

के) गाड़ी को चालू करने से पहले, यह सुनिश्चित करें कि बीपी 5.0 किलोग्राम/से.मी.^{2} पर है और वायु प्रवाह सूचक (एएफआई) अपनी पूर्वनिर्धारित स्थिति में है.

एल) गाड़ी को चालू करने के बाद भार के स्वतंत्र संचलन की जांच करें. अगर भार जाम हुआ लगता है, तो स्टेशन प्रबंधक या कर्षण इंजन नियंत्रक(टीएलसी) को सूचित करें.

एम) गाड़ी चालू करने के तुरंत बाद ब्रेक फील टेस्ट (बीएफटी) करें.

7. स्टेशन कर्मचारी, गाड़ी प्रबंधक, चालक दल और सेक्शन नियंत्रक को स्टेशनों/यार्डों/साइडिंगों और ब्लॉक सेक्शनों पर ढलानों के बारे में जानकारी होनी चाहिए.

8. इस संबंध में संबंधित पर्यवेक्षकों द्वारा लगातार परामर्श किया जाना चाहिए.

9. रेलवे को स्टेशनों पर अनुमोदित डिजाइन के स्प्रैग और चेन तथा इंजनों पर लकड़ी के वेज की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए.

नोट: क्षेत्रीय रेल स्थानीय परिस्थितियों/आवश्यकताओं के अनुसार कोई अन्य अनुदेशों को शामिल कर सकती हैं.

ह/-	ह / _
निदेशक यातायात परिवहन,	निदेशक विद्युत इंजीनियरी (चल स्टॉक),
रेलवे बोर्ड	रेलवे बोर्ड

***